

मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के अनुसार, वर्ष 2019 से मध्य प्रदेश में [जापानी इंसेफेलाइटिस \(JE\)](#) संक्रमण के बाद आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों में वृद्धि के कारण स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है, क्योंकि इससे **जन-स्वास्थ्य को सीधा खतरा** हो रहा है।
 - पहले वर्ष 2024 में मध्य प्रदेश के 29 ज़िलों में जापानी इंसेफेलाइटिस की पहचान की गई थी।

जापानी इंसेफेलाइटिस

- **परचिय:**
 - जापानी इंसेफेलाइटिस (JE) एक वायरल संक्रमण है जो मस्तिष्क में जलन पैदा कर सकता है।
 - यह फ्लेविविरस के कारण होने वाली एक बीमारी है, जो [डेंगू](#), [पीत ज्वर](#) और [वेस्ट नाइल वायरस](#) के समान जीनस से संबंधित है।
 - जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस (JEV) भी भारत में [एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम \(AES\)](#) का एक प्रमुख कारण है।
- **संचरण:**
 - यह रोग **क्यूलेक्स प्रजाति के संक्रमित मच्छरों** के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
 - ये मच्छर मुख्य रूप से **धान के खेतों** और **जलीय वनस्पतियों** से भरपूर बड़े जल निकायों में प्रजनन करते हैं।
- **उपचार:**
 - जापानी इंसेफेलाइटिस के रोगियों के लिये कोई एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है
 - मौजूद उपचार लक्षणों से छुटकारा पाने और रोगी को स्थिरता प्रदान करने में सहायक है।
- **नविरण:**
 - इस बीमारी को रोकने के लिये **सुरक्षा और प्रभावी जापानी इंसेफेलाइटिस (JE) टीके** उपलब्ध हैं।
 - **JE टीकाकरण** भारत सरकार के **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** के तहत भी शामिल है।